

Living the Lotus

10
2021

VOL. 193

Buddhism in Everyday Life

Founder's Reflections

अच्छे श्रोता अच्छे पोषणकर्ता बनाते हैं

रिश्शो कोसेईकाई गृहस्थों की संस्था है जिसका पवित्र ग्रन्थ सद्धर्म पुण्डरीक सूत्र एवं अन्य दो लघु सूत्रों का संकलन है। इस संस्था को संस्थापक निक्क्यो निवानो एवं सह-संस्थापक म्योको नागानुमा ने सन् १९३८ ई० में स्थापित किया था। यह उन साधारण स्त्रियों एवं पुरुषों की संस्था है जिन्हें बुद्ध में श्रद्धाविश्वास है तथा जो बुद्ध के उपदेशों के अनुसार चलते हुए अपने आध्यत्मिक जीवन को समृद्ध बनाते हैं।

प्रेसिडेण्ट का दिशानिर्देश निच्चिको निवानो, के अन्तर्गत हम देश एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तरों पर अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर शान्ति एवं कल्याण के लिये तत्पर होकर परोपकार के कार्य में सलग्न हैं।

Living the Lotus
Vol. 193 (October 2021)

Senior Editor: Keiichi Akagawa
Editor: Kensuke Osada
Copy Editor: Parmita Shekhar

Living the Lotus is published monthly
by Rissho Kosei-kai International,
Fumon Media Center, 2-7-1 Wada,
Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan.
TEL: +81-3-5341-1124
FAX: +81-3-5341-1224
Email: living.the.lotus.rk-international
@kosei-kai.or.jp

हमारे धर्म केंद्रों पर आने वाले लोग अक्सर मुझसे कहते हैं, "कोसेइ काइ के सदस्य सभी कितने महान श्रोता हैं!" जब मैं पूछता हूँ कि ऐसा क्यों होता है, तो वे मुझे बताते हैं कि सदस्य गर्म मुस्कान के साथ सुनते हैं और अक्सर सिर हिलाकर हामी भरते हैं। यह लोगों को सहज महसूस कराता है, और यही कारण है कि कोसेइ काइ के सदस्यों से बात करना आसान होता है।

जो लोग सार्वजनिक रूप से बोलने में असहज होते हैं, वे अक्सर झिझकते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर वे जो सोच रहे हैं, उसे कहते हैं तो लोगों को उनपर हँसी आएगी। बोलना स्वयं को अभिव्यक्त करना है, इसलिए जो लोग आपकी बातें सुनते हैं और हामी भरते हैं, वे आपको स्वीकार करते हैं। अगर दूसरे आपकी बातों को ध्यान से सुनते हैं और पुष्टि में सिर हिलाते हैं, तो दूसरों द्वारा स्वीकार किए जाने की खुशी आपको बोलने में सहज महसूस कराती है। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार स्वतंत्र रूप से बोलने में सक्षम होता है, यदि दूसरे उसकी बातों को ईमानदारी से सुनते हैं।

और जब लोग बिना किसी हिचकिचाहट के कुछ बातें कर सकते हैं, तो वे अपना दिल खोल देते हैं। यही कारण है कि जब हम लोगों को होजा में ईमानदारी से सुनते हैं, तो वे खुलकर सामने आते हैं और अपनी बातें बेझिझक करते हैं। आज के समाज में लोग सबसे ज्यादा उन्हें चाहते हैं, जो उनकी बातें सुनते हैं, है ना? मुझे लगता है कि कोसेइ काइ के बारे में सबसे आकर्षक बातें किसी से भी सहानुभूतिपूर्वक सुनने की हमारी क्षमता है, चाहे वे किसी भी मुद्दे को उठाएँ।

निक्क्यो निवानो, काइसो जुइकान 10 (कोसेइ प्रकाशन, 1997), पीपी. 136-137

"लिविंग द लोटस: बुद्धिज्म इन एवरीडे लाइफ" का उद्देश्य यह दर्शाना है कि जैसे सरोवर के कीचड़ से निकलकर कमल खिलता है वैसे ही पुण्डरीक सूत्र की शिक्षा का दैनिक जीवन में अनुशरण के प्रयास से हमारा जीवन समृद्ध बनता है, हमारा जीना सार्थक होता है। इसका संस्करण के माध्यम से दुनियाँ में लोगों के दैनिक जीवन में बौद्धधर्म की शिक्षा को सरल बोधगम्य बनाना है।



President's Message

आइए अपने प्रारंभ के बिंदु पर लौटते हैं

निचिको निवानो
प्रेसिडेण्ट, रिश्शो कोसेइ काइ

एक से दस तक और फिर वापस

जापान की चाय अनुष्ठान के सेन्के पद्धति के संस्थापक सेन नो रिक्कू (1522-91) ने चाय समारोह की अपनी समझ का वर्णन करते हुए उपदेशात्मक कविताएँ लिखीं। हम उनमें मार्ग की खोज करने वालों के लिए सामान्य कई पाठों को पहचानते हैं, जैसेकि “अभ्यास का अर्थ है एक से दस तक चीजों को सीखना, / और फिर प्रारंभ के बिंदु पर वापस आ जाना।”

जब हम विश्वास के क्षेत्र में आरंभ करते हैं, तो हमें अपने वरिष्ठों द्वारा बहुत सी चीजें सिखाई जाती हैं, हम अपने लिए शिक्षाओं की गवेषणा करते हैं और सीखते हैं, और हम धीरे-धीरे बुद्ध की धर्मदेशनाओं को अपना बनाते हैं। जब हम एक धर्म मंडल (होजा) में शामिल होते हैं, तो हम धर्म से मुक्त होने की दूसरों की कहानियों से प्रेरित होते हैं और हम मार्ग की गवेषणा के लिए और अधिक प्रेरित महसूस करते हैं। हम अपनी कमियों के बारे में भी अधिक जागरूक हो जाते हैं और अपने अभ्यास में अधिक मेहनती बन जाते हैं। इस प्रक्रिया की पुनरावृत्ति “मार्ग की गवेषणा” की परिभाषा है।

हालाँकि, जैसे-जैसे हम इस प्रक्रिया के अभ्यस्त होते जाते हैं, वैसे-वैसे हमारा प्रारंभिक उत्साह और मार्ग की गवेषणा की इच्छा कम हो सकती है, क्योंकि हमें ऐसा लगने लगता है कि हम इसे पहले से ही जानते हैं। हम अपने विश्वास के मूल उद्देश्य की दृष्टि खो देते हैं, जो कि स्वयं को परिष्कृत करना जारी रखता है।

यह कहने के बजाय कि आपने दस चीजें सीखी हैं और ये काफी अच्छी हैं, अपने आप से कहें कि जब आपने दस चीजें सीखी हैं, तो इसका मतलब है कि पहले सीखी चीजों पर वापस जाने और उसकी समीक्षा करने का समय आ गया है। ऐसा करने से, आपको कुछ ऐसा दिखाई देगा जिस पर आपने पहली बार ध्यान नहीं दिया था, इसलिए आप सीखने के सही अर्थ के करीब जा रहे हैं। मुझे लगता है कि यही रिक्कू की कविता का अर्थ है।

इस तरह, पुण्डरीक सूत्र का समापन परिवर्त, “बोधिसत्व समन्तभद्र का प्रोत्साहन” हमें हमेशा प्रारंभ के बिंदु पर लौटने का महत्व सिखाया जाता है- जो बदले में सम्पूर्ण पुण्डरीक सूत्र को पूरी तरह से सारांशित करता है।

अपने बाद के वर्षों में, संस्थापक निवानो ने अक्सर “चार आवश्यकताओं” का उल्लेख किया जो समापन परिवर्त -28 में दिखायी देता है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि इन चार आवश्यकताओं में पुण्डरीक सूत्र की सभी शिक्षाओं को शामिल किया गया है - परिचयात्मक अध्याय से - आसानी से समझने योग्य भाषा में। यह मानते हुए कि हम बुद्धों द्वारा सुरक्षित हैं, कई अच्छे कर्म करते हैं, विश्वास में दोस्तों के साथ अभ्यास करते हैं, और दूसरों के लिए विचार

करने का अभ्यास करते हैं, क्योंकि हम समग्र रूप से समाज की खुशी के लिए प्रार्थना करते हैं- ये चार आवश्यकताएँ हमारा प्रारंभिक बिंदु हैं और बुद्ध मार्ग की गवेषणा और विश्वास करने का आधार है।

मार्ग में आरुढ़ का मन और एक बच्चे का मन

यद्यपि हम अपनी शिक्षा को गहरा करने के लिए प्रारंभिक बिंदु पर लौटने के महत्व को समझ सकते हैं, वास्तव में हममें से कुछ लोग उस उत्साह के साथ दैनिक सूत्र पाठ जारी रखने में असमर्थ हो सकते हैं, जो हमारे पास प्रारंभ में था।

वाक्यांश “धर्म से प्रेम” का श्रेय चीनी बौद्ध धर्म के तिएनताइ (जापानी में तेनदाइ) स्कूल के चौथे धर्माचार्य ई.चिई (538-97) को दिया गया है। इस वाक्यांश का अर्थ है शुद्ध, निर्दोष मन से धर्म की गवेषणा करना। चिई ने “बोधिसत्व समन्तभद्र के प्रोत्साहन” की व्याख्या “धर्म से प्रेम” के रूप में की।

बुद्ध की धर्मदेशना को सुनने की तीव्र इच्छा उस भावना की तरह है, जब हम किसी के प्रेम में पड़ते हैं - जब हम उनकी (धर्मदेशना) के बारे में अधिक जानना चाहते हैं, तो उनके साथ चलें, और शुद्ध मन से उनका अनुसरण करें। विश्वास के प्रारंभिक बिंदु पर लौटने और लगन से इसका अभ्यास करने के लिए, मार्ग की गवेषणा करने की इच्छा की गतिशील शक्ति होनी चाहिए, जैसेकि प्यार में पड़ना है।

हालाँकि, जब इस लोक में अपने दैनिक जीवन की देखभाल करने की बात आती है, तो कभी-कभी हमें विश्वास के प्रति अपनी आस्था को पूर्ण रूप से बनाए रखने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। जीने के लिए, हम लाभ और स्वार्थ की उपेक्षा नहीं कर सकते हैं, जो हमारे अभ्यास के परिश्रम की उपेक्षा को अपरिहार्य बना सकता है। फिर भी, जब तक हम सभी के लिए एक अच्छा समाज बनाने और एक साथ खुश रहने के लिए छोटे बच्चों की तरह, शुद्ध, निर्दोष इच्छा को नहीं भूलते, हम हमेशा उन भावनाओं पर लौट सकते हैं, जो हममें प्रारंभ से है। दूसरे शब्दों में, यह महत्वपूर्ण है कि हम मार्ग में आरुढ़ मन (道心, दोशिन) और एक बच्चे के मन (童心, दोशिन) को कभी नहीं भूलें।

“प्रोत्साहन” शब्द का अर्थ है “दूसरों को किसी चीज़ के बारे में प्रोत्साहित करना”, लेकिन “बोधिसत्व समन्तभद्र के प्रोत्साहन” से, जो लोग बुद्ध की धर्मदेशना का अभ्यास करते हैं, उनकी प्रशंसा “अच्छे शब्दों के साथ” की जानी चाहिए और उनके सिर पर हाथ फेरना चाहिए। इसी तरह, जब हम बुद्ध मार्ग के दैनिक अभ्यास में लगे होते हैं, तो बुद्ध हमेशा गर्मजोशी से देख रहे होते हैं और हमें प्रोत्साहित करते हैं।

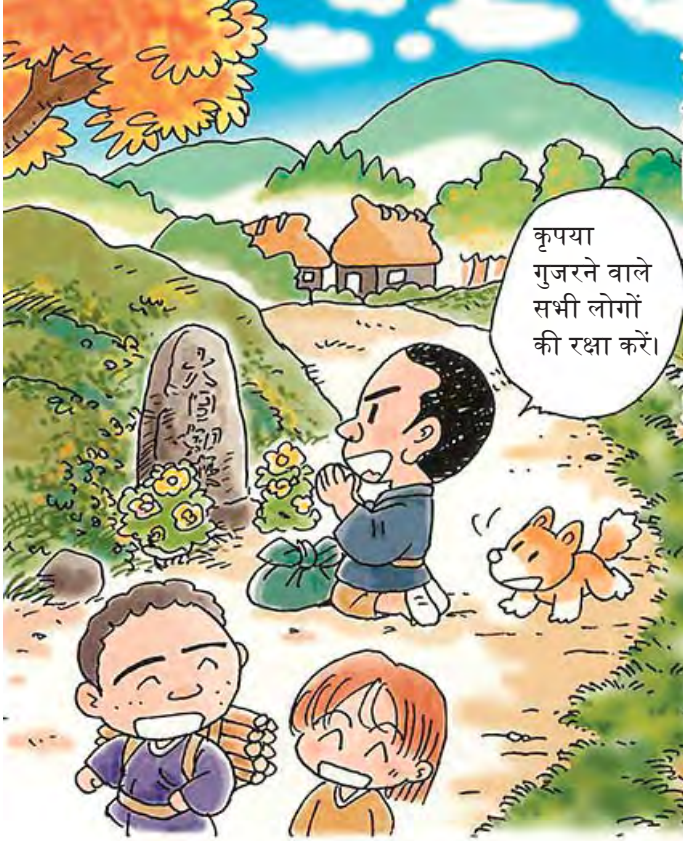
इसे ध्यान में रखते हुए दृढ़, परिश्रमपूर्ण अभ्यास भी गति प्राप्त करता है और आनन्ददायक बन जाता है। प्रारंभिक बिंदु पर लौटकर, हम महसूस करते हैं कि सूत्र पाठ होजा सत्र, और साथी संघ के सदस्यों के साथ बातचीत सभी आनन्दमय घटनाएँ हैं, जो हमें नए सिरे से प्रोत्साहित करती हैं।

From Kosei, October 2021.

कॉमिक्स के माध्यम से रिशो कोसेइ काइ का परिचय

संस्थापक का जीवन और रिशो कोसेइ काइ का इतिहास

बचपन में संस्थापक



संस्थापक बचपन से ही कड़ी मेहनत करते थे। क्योंकि वे अपनी उम्र के हिसाब से लंबे थे, जब वे चौथी कक्षा (नौ से दस वर्ष) में थे, तब उन्होंने अपने पिता के साथ खेतों की जुताई शुरू कर दी थी।

उन्होंने पहाड़ों में ईंधन के लिए लकड़ी इकट्ठा करते और उसे शहर में ले जाकर बेचकर कुछ अर्जित कर लेते थे। इस तरह वे उन किताबों को खरीदने के लिए पैसे बचाते, जैसेकि प्रसिद्ध लोगों की जीवनी, जिन्हें वे पढ़ना चाहते थे।

जब वे प्राथमिक विद्यालय में थे, उन्होंने स्कूल के प्रधानाध्यापक श्री देन्किची दाइकाइ की शिक्षा का पालन किया, जिन्होंने उन्हें देवताओं और बुद्धों का सम्मान करने के लिए कहा था। वे हमेशा अपने स्कूल के रास्ते में दाइनिची न्योराई की छवि के सामने झुककर अपनी हथेलियों को एक साथ जोड़ते थे।



क्या तुम्हें पता था?

सुगानुमा, संस्थापक के गृहनगर में कई देवताओं और बुद्धों - जैसेकि बुद्ध दाइनिची न्योराई (तथागत महावैरोचन), कोयासु कन्नोन (दर्द रहित जन्म कन्नोन), और ओइके बेंजाटन- को प्रतिष्ठापित किया गया था। सुगानुमा के संरक्षक देवता का एक स्थानीय शिंटो मंदिर, सुवा जिंजा में स्थापित किया गया था। अपने बचपन में, संस्थापक हमेशा अपनी हथेलियों को एक साथ रखते थे और देवताओं और बुद्धों को पास से गुजरते समय झुकते थे, चाहे वे कितनी भी जल्दी में हो।

अपनी युवावस्था में संस्थापक



जब संस्थापक सोलह वर्ष के थे, तब वे तोक्यो के लिए रवाना हुए। हालाँकि, वे जल्द ही 1923 के महान कांतो भूकंप के बाद घर लौट आये। अगले वर्ष, वे काम की तलाश में फिर से तोक्यो गए।

उन्होंने चारकोल स्टोर के लिए काम किया, जहाँ उनके पास महीने में केवल एक दिन का अवकाश था; मजदूरी उनके समान उम्र के एक अन्य कर्मचारी की मजदूरी से आधी थी। लेकिन उन्होंने कभी कम वेतन के बारे में शिकायत नहीं की और अपने पिता की शिक्षा का पालन करते हुए ईमानदारी से काम किया।

संस्थापक रोज सुबह जल्दी उठकर घर और दुकान की सफाई करते थे। नाश्ता खत्म करने के बाद, वे ग्राहकों का ऑर्डर लेकर इधर-उधर चले जाते। दोपहर में, उन्होंने उन्हें लकड़ी का कोयला दिया। शाम को उन्होंने अगले दिन के आदेश के लिए लकड़ी का कोयला काटकर

बोरों में डाल दिया। यही उनकी दिनचर्या थी।

चूँकि संस्थापक इतनी मेहनती थे, इसलिए स्टोर के मालिक ने उनके साथ छोटे भाई की तरह व्यवहार किया। स्टोर के मालिक ने संस्थापक पर इतना भरोसा किया कि उसने व्यवसाय के बारे में सलाह भी माँगी।

Director's Column

अपने प्रारंभिक आनंद और संकल्प को हमेशा याद रखना

रेवरेन्ट केइइची आकागावा
निदेशक, रिश्शो कोसेइ काइ इंटरनेशनल

इस महीने के अपने संदेश में, प्रेसिडेंट निचिको निवानो ने पुण्डरीक सूत्र के समापन परिवर्त-28 बोधिसत्व समन्तभद्र के प्रोत्साहन की चर्चा की है। मेरा विश्वास है कि उनके संदेश का शीर्षक, "हमें अपने आरंभ के बिंदु पर लौटना चाहिए," उनके प्रोत्साहन से प्रभावित है, जिससे कि सदस्य बौद्ध अभ्यास के महत्वपूर्ण दृष्टिकोण को नए सिरे से स्थापित करेंगे और नये मार्ग पर चलेंगे।

बोधिसत्व मार्ग के प्रति हमारा दैनिक समर्पण स्वयं को और दूसरों को लाभान्वित करने में सम्पूर्ण अभ्यास का प्रतीक है। ऐसा होने के लिए, मुझे आशा है कि हममें से प्रत्येक को उस आनन्द और संकल्प का हमेशा याद रहेगा, जब हमने बौद्ध धर्म का अनुसरण करना आरंभ किया था। पुण्डरीक सूत्र स्पष्ट रूप से इस आनन्द और संकल्प की ओर इंगित करता है - हम इसे पुण्डरीक सूत्र के परिवर्त-18 में प्रारंभिक आनन्द के गुणों की व्याख्या के रूप में देखते हैं। चार वरिष्ठ श्रावकों ने निम्न स्तर की शिक्षा से सन्तुष्ट रहने के लिए पश्चाताप किया (परिवर्त- 4) , और अन्य परिवर्तों में भी ऐसा ही है।

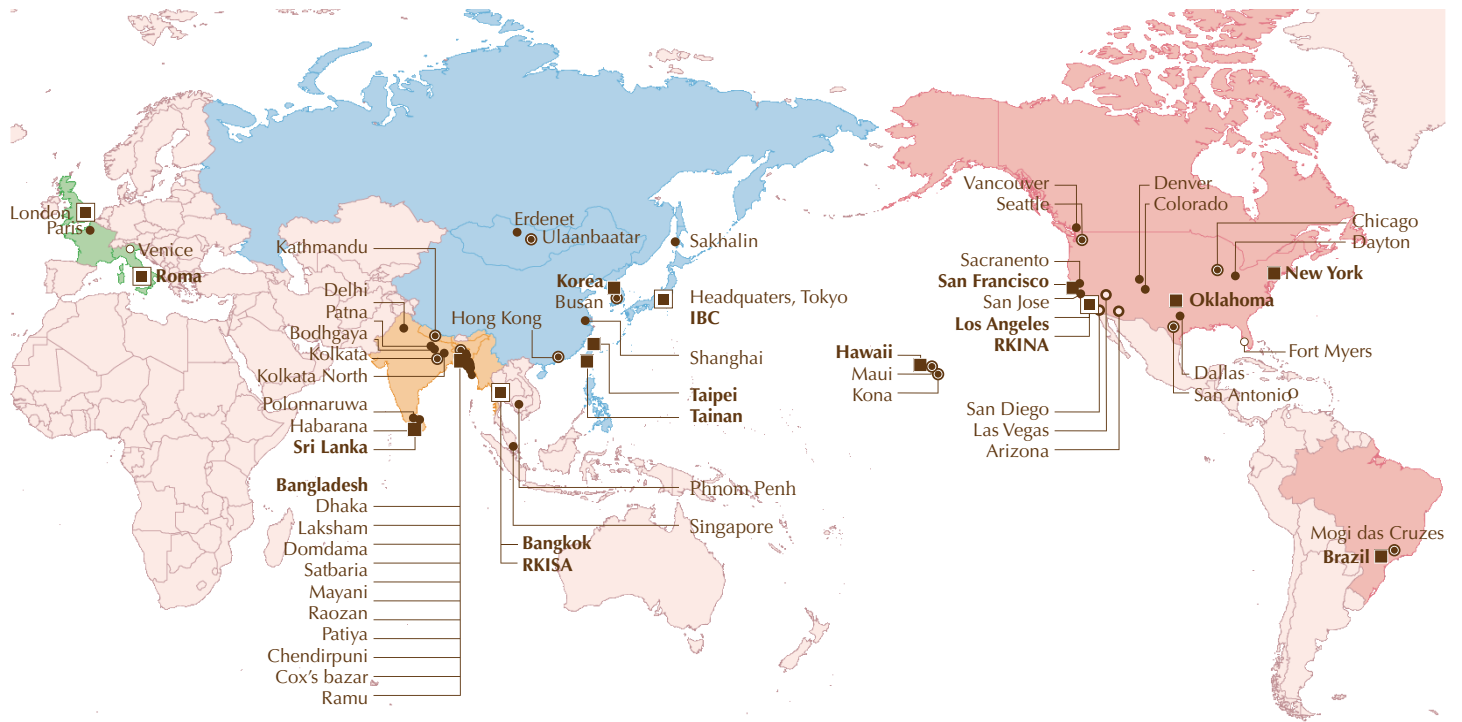
जब भी मैं परिवर्त-28 का पाठ करता हूँ, मुझे संस्थापक निक्क्यो निवानो के दिवंगत वर्षों की याद आ जाती है। हर बार जब वे मासिक स्मारक दिवसों पर ग्रेट सेक्रेड हॉल में धर्म की बात करते थे, तो वे इस बारे में बात करते थे कि हम इस परिवर्त में चार आवश्यकताओं को कैसे पूरा कर सकते हैं, हमेशा इसे आसानी से समझने योग्य तरीके से समझाते थे।

इस महीने के अपने संदेश में, प्रेसिडेंट निवानो ने हमें चार आवश्यकताओं की याद दिलाते हैं: "यह विश्वास करना कि हम बुद्धों द्वारा सुरक्षित हैं," "कुछ अच्छे काम करना," "आपसी विश्वास के साथ दोस्तों से मिलकर अभ्यास करना," और "दूसरों के प्रति सद्विचार का अभ्यास करना, जब हम सम्पूर्ण समाज के आनन्द के लिए प्रार्थना करते हैं।" चार आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए और हमेशा अपने पहले आनंद और संकल्प को याद करते हुए, आइए हम सभी और अधिक परिश्रम के साथ बोधिसत्व मार्ग का अनुसरण करने का प्रयास करें।



We welcome comments on our newsletter Living the Lotus: living.the.lotus.rk-international@kosei-kai.or.jp

Rissho Kosei-kai: A Global Buddhist Movement



Rissho Kosei-kai Buddhist Church of Hawaii

2280 Auhuhu Street, Pearl City, HI 96782, USA
 TEL: 1-808-455-3212 FAX: 1-808-455-4633
 Email: sangha@rkhawaii.org URL: <http://www.rkhawaii.org>

Rissho Kosei-kai Maui Dharma Center

1809 Nani Street, Wailuku, HI 96793, USA
 TEL: 1-808-242-6175 FAX: 1-808-244-4625

Rissho Kosei-kai Kona Dharma Center

73-4592 Mamalahoa Highway, Kailua-Kona, HI 96740, USA
 TEL: 1-808-325-0015 FAX: 1-808-333-5537

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

2707 East First Street, Los Angeles, CA 90033, USA
 POBox 33636, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-269-4741 FAX: 1-323-269-4567
 Email: rk-la@sbcglobal.net URL: <http://www.rkina.org/losangeles.html>

Please contact Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Los Angeles

- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Arizona**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Colorado**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Diego**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Las Vegas**
- Rissho Kosei-kai Buddhist Center of Dallas**

Rissho Kosei-kai of San Francisco

1031 Valencia Way, Pacifica, CA 94044, USA
 POBox 778, Pacifica, CA 94044, USA
 TEL: 1-650-359-6951 Email: info@rksf.org

Please contact Rissho Kosei-kai of San Francisco

- Rissho Kosei-kai of Sacramento**
- Rissho Kosei-kai of San Jose**

Rissho Kosei-kai of New York

320 East 39th Street, New York, NY 10016, USA
 TEL: 1-212-867-5677 Email: rkny39@gmail.com URL: <http://rk-ny.org>

Rissho Kosei-kai of Chicago

1 West Euclid Ave., Mt. Prospect, IL 60056, USA
 TEL: 1-773-842-5654
 Email: murakami4838@aol.com URL: <http://rkchi.org>

Rissho Kosei-kai of Fort Myers

URL: <http://www.rkftmyersbuddhism.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Oklahoma

2745 N.W. 40th St., Oklahoma City, OK 73112, USA
 POBox 57138, Oklahoma City, OK 73157, USA
 TEL: 1-405-943-5030 FAX: 1-405-943-5303
 Email: rkokdc@gmail.com URL: <http://www.rkok-dharmacenter.org>

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Denver

1255 Galapago St. #809 Denver, CO 80204, USA
 TEL: 1-303-446-0792

Rissho Kosei-kai Dharma Center of Dayton

617 Kling Drive, Dayton, OH 45419, USA
 URL: <http://www.rkina-dayton.com>

The Buddhist Center Rissho Kosei-kai International of North America (RKINA)

2707 East First St., Suite #1, Los Angeles, CA 90033, USA
 TEL: 1-323-262-4430 FAX: 1-323-269-4567
 Email: dharmasa@rksabuddhistcenter.org
 URL: <http://rksabuddhistcenter.org>

Rissho Kosei-kai Buddhist Center of San Antonio

(Address) 6083 Babcock Road, San Antonio, TX 78240, USA
 (Mail) POBox 692148, San Antonio, TX 78249, USA
 TEL: 1-210-558-4430 FAX: 1-210-696-7745
 Email: dharmasanantonio@gmail.com
 URL: <http://www.rkina.org/sanantonio.html>

Rissho Kosei-kai of Seattle's Buddhist Learning Center

28621 Pacific Highway South, Federal Way, WA 98003, USA
 TEL: 1-253-945-0024 Email: rkseattlewashington@gmail.com
 URL: <http://buddhistlearningcenter.org>

Rissho Kosei-kai of Vancouver

Please contact RKINA

Rissho Kosei-kai do Brasil

Rua Dr. José Estefno 40, Vila Mariana, São Paulo-SP, CEP 04116-060, Brasil
 TEL: 55-11-5549-4446, 55-11-5573-8377
 Email: risho@rkk.org.br URL: <http://www.rkk.org.br>

Risho Kosei-kai de Mogi das Cruzes

Av. Ipiranga 1575-Ap 1, Mogi das Cruzes-SP, CEP 08730-000, Brasil

在家佛教韓國立正佼成會

〒 04420 大韓民國 SEOUL 特別市龍山區漢南大路 8 路 6-3
6-3, 8 gil Hannamdaero Yongsan gu, Seoul, 04420, Republic of Korea
TEL: 82-2-796-5571 FAX: 82-2-796-1696

在家佛教韓國立正佼成會釜山支部

〒 48460 大韓民國釜山廣域市南區水營路 174, 3F
3F, 174 Suyoung ro, Nam gu, Busan, 48460, Republic of Korea
TEL: 82-51-643-5571 FAX: 82-51-643-5572

社團法人在家佛教立正佼成會

台灣台北市中正區衡陽路 10 號富群資訊大廈 4 樓
4F, No. 10, Hengyang Road, Jhongheng District, Taipei City 100, Taiwan
TEL: 886-2-2381-1632, 886-2-2381-1633 FAX: 886-2-2331-3433

台南市在家佛教立正佼成會

台灣台南市東區崇明 23 街 45 號
No. 45, Chongming 23rd Street, East District, Tainan City 701, Taiwan
TEL: 886-6-289-1478 FAX: 886-6-289-1488
Email: koseikaitainan@gmail.com

Rissho Kosei-kai South Asia Division

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Kathmandu

Ward No. 3, Jhamsikhel, Sanepa-1, Lalitpur, Kathmandu, Nepal

Rissho Kosei-kai of Kolkata

E-243 B. P. Township, P. O. Panchasayar, Kolkata 700094, India

Rissho Kosei-kai of Kolkata North

AE/D/12 Arjunpur East, Teghoria, Kolkata 700059,
West Bengal, India

Rissho Kosei-kai of Bodhgaya Dharma Center

Ambedkar Nagar, West Police Line Road, Rumpur, Gaya-823001,
Bihar, India

Rissho Kosei-kai of Patna Dharma Center

Please contact Rissho Kosei-kai of Kolkata

Rissho Kosei-kai of Central Delhi

77 Basement D.D.A. Site No. 1, New Rajinder Nagar,
New Delhi 110060, India

Rissho Kosei-kai of Singapore

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai of Phnom Penh

W.C. 73, Toul Sampaov Village, Sangkat Toul Sangke, Khan Reouseykeo,
Phnom Penh, Cambodia

RKISA Rissho Kosei-kai International of South Asia

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8141 FAX: 66-2-716-8218

Rissho Kosei-kai of Bangkok

Thai Rissho Friendship Foundation
201 Soi 15/1, Praram 9 Road, Bangkapi, Huaykhwang, Bangkok 10310, Thailand
TEL: 66-2-716-8216 FAX: 66-2-716-8218 Email: info.thairissho@gmail.com

Rissho Kosei Dhamma Foundation

No. 628-A, Station Road, Hunupitiya, Wattala, Sri Lanka
TEL: 94-11-2982406 FAX: 94-11-2982405

Rissho Kosei-kai of Polonnaruwa

Please contact Rissho Kosei Dhamma Foundation

Rissho Kosei-kai Bangladesh

85/A Chanmari Road, Lalkhan Bazar, Chittagong, Bangladesh
TEL: 880-2-41360470

Rissho Kosei-kai Mayani

Mayani Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Damdama

Damdama Barua Para, Mirsarai, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Satbaria

Village: Satbaria Bepari Para, Chandanaih, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Chendhirpuni

Village: Chendhirpuni, P.O.: Adhunogar, P.S.: Lohagara, Chittagong,
Bangladesh

Rissho Kosei-kai Raozan

Dakkhin Para, Ramzan Ali Hat, Raozan, Chittagong, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Laksham

Village: Dhupchor, Laksham, Comilla, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Dhaka

408/8 DOSH, Road No 7 (West), Baridhara, Dhaka, Bangladesh

Rissho Kosei-kai Cox's Bazar

Ume Burmize Market, Tekpara, Sadar, Cox's Bazar, Bangladesh

Please contact Rissho Kosei-kai Bangladesh

Rissho Kosei-kai Patiya**Rissho Kosei-kai Ramu****Rissho Kosei-kai Aburkhiln****Buddiyskiy khram "Lotos"**

4 Gruzinski Alley, Yuzhno-Sakhalinsk 693005, Russia
TEL: 7-4242-77-05-14

Rissho Kosei-kai of Hong Kong

Flat D, 5/F, Kiu Hing Mansion, 14 King's Road, North Point, Hong Kong, China

Rissho Kosei-kai Friends in Shanghai**Rissho Kosei-kai of Ulaanbaatar**

(Address) 15F Express Tower, Peace avenue, khoro-1, Chingeltei district,
Ulaanbaatar 15160, Mongolia
(Mail) POBox 1364, Ulaanbaatar-15160, Mongolia
TEL: 976-70006960 Email: rkkmongolia@yahoo.co.jp

Rissho Kosei-kai of Erdenet

Please contact Rissho Kosei-kai International

Rissho Kosei-kai di Roma

Via Torino, 29, 00184 Roma, Italia
TEL/FAX: 39-06-48913949 Email: roma@rk-euro.org

Please contact Rissho Kosei-kai di Rome

Rissho Kosei-kai of Paris**Rissho Kosei-kai of Venezia****Rissho Kosei-kai of the UK**

29 Ashbourne Road, London W5 3ED, UK
TEL: 44-20-8933-3247 Email: info@rkuk.org URL: <https://www.rkuk.org>
Facebook: <https://www.facebook.com/rkuk.official>
Twitter: https://twitter.com/rkuk_official
Instagram: https://www.instagram.com/rkuk_official

Rissho Kosei-kai International Buddhist Congregation (IBC)

166-8537 東京都杉並区和田 2-7-1 普門メディアセンター 3F
Fumon Media Center 3F, 2-7-1 Wada, Suginami-ku, Tokyo 166-8537, Japan
TEL: 03-5341-1230 FAX: 03-5341-1224 URL: <http://www.abc-rk.org>